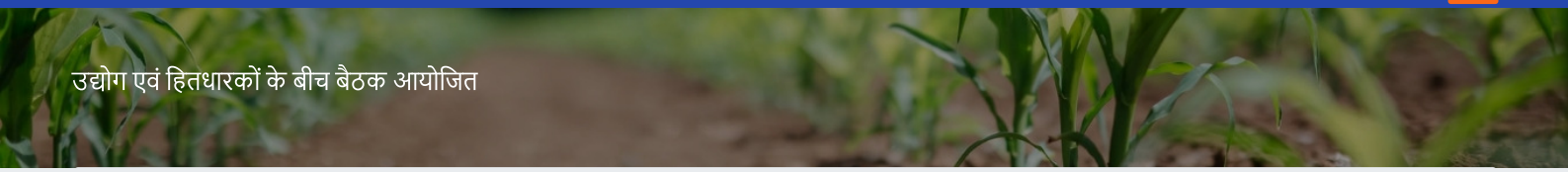

उद्योग एवं हितधारकों के बीच बैठक आयोजित

26 सितम्बर, 2023, देहरादून

भाकृअनुप-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून ने ओएनजीसी देहरादून, आईटीसी-विमको, कुआंतम पेपर्स लिमिटेड, इफको, बीएआईएफ, नेचर बेस्टोज़, अनमोल पॉलिमर, अनहद फार्म, याशिका हर्बल और जेएमडी पॉलिमर, सहित उद्योगों और कॉरपोरेट्स के साथ आज एक दिवसीय भाकृअनुप-आईआईएसडब्ल्यूसी उद्योग हितधारक बैठक-23 का आयोजन किया।

मुख्य अतिथि, डॉ. राम राज द्विवेदी, सीजीएम ओएनजीसी ने कृषि क्षेत्र के महत्व और खेती से संबंधित अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाने के लिए सीएसआर फंड की क्षमता पर जोर दिया।

आईआईएसडब्ल्यूसी के निदेशक, डॉ. एम. मधु ने संसाधन संरक्षण और आजीविका को बढ़ावा देने के संस्थान के दृष्टिकोण और मिशन के बारे में कहा, उन्होंने सामाजिक और पर्यावरणीय लाभों के लिए उद्योगों, सीएसआर भागीदारों और अन्य हितधारकों के साथ सहयोग और नेटवर्किंग का भी आह्वान किया।

पादप विज्ञान प्रभाग के प्रमुख और आयोजन सचिव, डॉ. जे.एम.एस. तोमर ने अनुसंधान और विकास, प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण एवं सीएसआर में भाकृअनुप-उद्योग सहयोग के आलोक में बैठक के महत्व की जानकारी दी।

सम्मानित अतिथि, डॉ. विक्रम सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईपीटीएम ने आईपीटीएम, प्रौद्योगिकी प्रबंधन और भाकृअनुप के भाकृअनुप घटकों में हाल के विकास को साझा किया। उन्होंने प्रौद्योगिकी व्यवसायीकरण और बौद्धिक संपदा पंजीकरण के समर्थन के लिए भाकृअनुप द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं पर जोर दिया।

बैठक के दौरान लगभग 11 औद्योगिक और कॉर्पोरेट संगठनों ने सक्रिय रूप से विचार-विमर्श किया।

लगभग 150 प्रतिभागियों ने फिजिकल और ऑनलाइन दोनों मोड में बैठक में भाग लिया तथा कार्यक्रम में विचार-विमर्श किया।

(स्रोत: भाकृअनुप-भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून)

@ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के स्वामित्व वाली सामग्री

कॉपीराइट © 2022 भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि भवन द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित